

	<p style="text-align: center;">श्रीमहावीरायनमः Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh Conducted MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD Website jainshikshan.org Email jainshikshanboard@gmail.com</p>	<p style="text-align: center;">Shreni 2 Hindi Jain Shala January 2025 Marks 100</p>
---	---	--

Student Name		Roll No	
Date of Birth		Mobile Number	
Sangh Name		Regular / Open book	
Jainshala Name		Writer yes / No	
Supervisor Name		Supervisor Signature	

सूत्र विभागना आधारे / सूत्र विभाग के आधार पर

1. पाठनी पूर्ति करो. / पाठ की पूर्ति करो।	मार्क / मार्क - 24
--	---------------------------

1. सीयव / सियल, _____, _____,
 _____, _____, जिणं/ जिणं.

2. व्रतना / व्रतना _____, _____, _____,
 _____, ते आवोउं / ते आलोऊं

3. भंते / भंते, _____, _____, _____,
 _____, जव / जाव.

4. धराणं / धराणं, _____, _____, _____,
 _____, तिन्नाणं / तिन्नाणं.

5. भंते / भंते, _____, _____, _____,
 _____, वोसिरामि / वोसिरामि.

6. सामायिकमां / सामायिकमां, _____, _____, _____,
 _____, ज्ञाता / जाणता.

2. नीयेना शब्दोना अर्थ लखो. / निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

मार्क / मार्क - 4

1. दुविहं / दुविहं - _____
2. मुत्तमं / मुत्तमं - _____
3. लोपपठवाणं / लोपपठवाणं - _____
4. न फासियं / न फासियं - _____

3. नीयेना शब्दोना अर्थना भागधी शब्द लखो.
निम्नलिखित शब्दों का सही शब्दार्थ लिखिए।

मार्क / मार्क - 4

1. कार्यनो / प्रवृत्तिओका _____
2. आराधना करी न डोय / आराधना नहीं की है _____
3. धाती कर्मधी रडित / छद्मस्थ अवस्था रहित _____
4. प्रसन्न थाओ / प्रसन्न हो _____

4. जोडणी सुधारो. / शब्दो को सही लिखिए।

मार्क / मार्क - 4

1. आइयेसू / आईचेसू - _____
2. मक्कय / मक्कय - _____
3. अणुपावीयं / अणुपालीयं - _____
4. पजुयास्वामी / पजुयास्वामी - _____

5. नीयेना प्रश्नोना जवाब अेक शब्दमां आपो.
निम्नलिखित सवालो का उत्तर एक शब्द मे लिखिए।

मार्क / मार्क - 4

1. पाप डेटवा ऐ ? / पाप कितने है ? _____
2. विशांति अेटवे शुं ? / विशांति मतलब क्या ? _____
3. सिद्धपरमात्माअे डेटवा कर्मोनी क्षय क्यो ऐ ? _____
सिद्धपरमात्मा ने कितने कर्मों का क्षय(नाश) किया है ? _____
4. नियमने तोडवा तैयार थई जवुं अेटवे शुं ? _____

नियम तोड़ने के लिए तैयार होना, उसे क्या कहते हैं? _____

सामान्य समझना आधार. / सामान्य समझ के आधार पर.

6. ખાલી જગ્યા પૂરો. / रिक्त स्थानोंकी पूर्ती कीजिए।

मार्क / मार्क - 10

1. तीर्थकर प्रभुना नाम लखो. (वर्तमानमां बिराजमान)
तीर्थकर प्रभु के नाम लिखें. (वर्तमानमे जो बिराजमान हैं।)

६ / ६ _____ १६ / १६ _____

२० / २० _____ १३ / १३ _____

2. पांच अभिगममांथी / पांच अभीगमोमें से

३ / ३ _____ ५ / ५ _____

3. नव तत्वना नाम / नौ तत्वों के नाम

२ / २ _____ ८ / ८ _____

६ / ६ _____ ७ / ७ _____

**7. प्रश्नोना उत्तर अेक शब्दमां आपो.
सवालो का उत्तर एक शब्द मे लिखिए।**

मार्क / मार्क- 5

1. सरल स्वभावी जिवो कइ गतिने प्राप्त करे छे ? _____

सरल स्वभावी जीव कोनसी गति प्राप्त करता है? _____

2. अत्यारे तीर्थकरो कया क्षेत्रमां विचरी रइया छे ? _____

हालमे तीर्थकरो किस क्षेत्र में विचरण कर रहे हे ? _____

3. अभिगम डेटवा छे ? _____

अभिगम कितने हे ? _____

4. कोनो जिव आसक्तिने कारणे देडको बने छे? _____

मोह के कारण किसका जीव मेढ़क बन जाता हे? _____

5. कइ गतिमां सुष्य पारावार छे? _____

हमारी कल्पना से परे धन और वैभव कौनसी गतीमें होता हे? _____

8. જોડકા જોડો. / जोडीया बनावो.**માર્ક / मार्क - 5**

1. ઉત્તરાસંગ / उत्तरासंग		1. મનુષ્ય ગતિ / मनुष्य गति
2. સંસાર / संसार		2. મોક્ષ ગતિ / मोक्ष गति
3. સૌથી શ્રેષ્ઠ ગતિ / सबसे श्रेष्ठ गति		3. અનિત્યતા / अनित्यता का बोध
4. અભિગમનું પાલન / अभिगमका पालन		4. ખેસ / खेस
5. જન્મ મરણના ચક્રમાંથી મુક્તિ जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति		5. કલ્યાણકારી / कल्याणकारी

**સંસ્કાર વિભાગ આધારે જવાબ લખો.
संस्कार विभाग के अनुसार उत्तर लिखिए।**

9. સાચું છે કે ખોટું તે લખો. / वाक्य सही है या गलत वो लिखो।**માર્ક / मार्क - 5**

1. જૈનધર્મમાં ત્યાગને વિશેષ મહત્વ આપ્યું છે. _____

जैन धर्म में त्याग को विशेष महत्व दिया गया है। _____

2. આત્માનો રંગ કાળો હોય છે. _____

आत्मा का रंग काला होता है। _____

3. સામાન્ય રીતે મહિનાની ૩૦ તિથી હોય છે. _____

आमतौर पर एक महीने की ३० तिथी होती है। _____

4. અનંતકાળથી દેહ અને આત્મા જુદા જુદા છે. _____

आत्मा अविनाशी है। (शरीर और आत्मा अनंत काल से अलग हैं।) _____

5. આપણને જન્મથી જૈન ધર્મને સાર્થક કરવાની સમજણ મળી છે. _____

अपने को जन्म से ही जैन धर्म को सार्थक करने की समझ मिली है। _____

10. ખાલી જગ્યા પૂરો. / रिक्त स्थानोंकी पूर्ती कीजिए।

માર્ક / मार्क - 5

1. હું _____ ભિન્ન _____ સ્વરૂપ આત્મા છું.

में _____ भिन्न _____ स्वरूप आत्मा हूं।

2. મહિનાના એક એક દિવસને _____ કહેવાય અને તિથી પણ _____ ની જેમ રોજ બદલાય છે.
महीने के प्रत्येक दिन को _____ कहा जाता है और यह भी _____ की तरह
तिथी बदलती रहती है।

3. CANDLE ને BLOW કરવાથી _____ કર્મ બંધાય છે.

CANDLE को BLOW करनेसे _____ कर्म का बंधा हुआ है।

11. અયોગ્ય શબ્દ પર ગોળ કરો. / अनुचित शब्द पर गोला लगाएँ।

માર્ક / मार्क - 5

1. પાન, ડુંગળી, ફૂલ, વૃક્ષ

पान, डुंगळी, फूल, वृक्ष

2. અનંત જ્ઞાન, અનંત શક્તિ, અનંત દર્શન, અનંત ચરિત્ર

अनंत ज्ञान, अनंत शक्ति, अनंत दर्शन, अनंत चरित्र

3. માતા, ગુરુ, મિત્ર, પિતા

माता, गुरु, मित्र, पिता

4. મેંદો, સુખડી, ચીઝ, ચોકલેટ

मेंदो, सुखडी, चीज, चोकलेट

5. પાંચમ, સાતમ, અગિયારસ, બીજ

पांचम, सातम, एकादशी, बीज

ધર્મ અને વિજ્ઞાન વિભાગ / धर्म अने विज्ञान विभाग के आधार

12. જોડકા જોડો. / जोडीया बनावो।

માર્ક / मार्क - 5

=====

1. द्रष्टिकोण / द्रष्टिकोण		1. जैन धर्म / जैन धर्म
2. अनेकांतवाद / अनेकांतवाद		2. नय / नय
3. असत्य / असत्य		3. केन्सर जेवी धातक बीमारीनुं कारण केन्सर जैसी धातक बीमारीका कारण
4. डिसाना भाव / हिंसाका भाव		4. जिवमात्रनी विचारधारानो स्वीकार जीवमात्रकी विचारधाराको स्वीकार
5. जिवन जिववानी कला जीवन जीनेकी कला		5. पाप कर्मनो बंध / पाप का बंध(पाप कर्मों की समाप्ति)

कथा विभागने आधार / कथा विभागके आधार

13. ખાલી જગ્યા પૂરો. / रिक्त स्थानोंकी पूर्ती कीजिए।	मार्क / मार्क - 10
--	--------------------

- _____ मारी पासे पण छे, अने _____ त्यां पण छे.
_____ मेरे पास भी है, और _____ वहाँ भी है।
- _____ मां पण जे प्रसन्न रहे ते साया _____ डोय छे.
जो _____ सहन में भी प्रसन्न रहता है, वही सच्चा _____ है।
- भूवेयूके पण _____ नी वाणी सांभगतो नई, तारुं पुबु _____ थशे.
आप कभी गलती से भी _____ की वाणी को मत सुनना, नहीं तो _____ होगा।
- संयममां अनेक _____ अने _____ आवे छे.
संयम जीवन में अनेक _____ और _____ आते है।
- _____ ज्ञान अटवे आपणने _____ भवनुं याद आववुं.
_____ ज्ञान का अर्थ है की हमें _____ का भव याद आना।

કાવ્ય વિભાગના આધારે / काव्य विभागके आधार

14. ખાલી જગ્યા પૂરો. / रिक्त स्थानोंकी पूर्ती कीजिए।

માર્ક / मार्क - 10

(વિસહર , પતંગ , મંગલ , હોળી , સંકલ્પ , આગમ , પ્રભુ , મિથ્યા , પુણ્ય , પાપ)

(विसहर , पतंग , मंगल , होली , संकल्प , आगम , प्रभु , मिथ्या , पुण्य , पाप)

1. _____ હવે યગાવીશ નહીં ,ને _____ કદી રમીશ નહીં.

_____ ના ડાકુંગા, _____ કમી ના ખેલુંગા।

2. _____ એવો કરીને, _____ જવો બનજે.

_____ એસા કરને સે _____ જેસા બનના।

3. _____ વિસ નિન્નાસં _____ કલ્લાણ આવાસં.

_____ વિસ નિન્નાસં _____ કલ્લાણ આવાસં।

4. સર્વશ્રેષ્ઠ _____ મળ્યા, _____ ભાવો દૂર ટળ્યા.

સર્વશ્રેષ્ઠ _____ મિલે, _____ ભાવો દૂર ટલે।

5. _____ કમાઈ લ્યો, _____ ખપાવી દો.

_____ - _____ કમા લો, _____ ખપા દો।

જયજિનેન્દ્ર / जय जिनेन्द्र